Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

वाक्य भेद

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित

भाग – 1

LIVE 03:00 PM

वाक्य-भेद/विचार

शब्दों का सार्थक व क्रमबद्ध समूह वाक्य कहलाता है।

वाक्य में निम्नलिखित बातें आवश्यक होती हैं:-

1. वाक्य की रचना शब्दों (पदों) के योग से होती है।

2. वाक्य अपने में पूर्ण तथा स्वतंत्र होता है

3. वाक्य किसी-न-किसी भाव व विचार को पूर्णतः प्रकट कर पाने में सक्षम होता है।

Mahendra's

वाक्य की संरचना
संरचना के आधार पर वाक्य में दो प्रमुख घटक माने जाते हैं

(1)उद्देश्य (कर्ता)
(2)विधेय (क्रिया)

(1)उद्देश्य (कर्ता)- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए वही उस वाक्य का 'उद्देश्य' होता है।

(2)विधेय (क्रिया)- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए वह 'विधेय'होता है।

उद्देश्य और विधेय के योग से ही वाक्य संरचना के स्तर पर पूर्ण होता है तथा किसी भाव या विचार (संदेश) को व्यक्त कर पाता है।

उद्देश्य	विधेय
1. कृतिका	अध्यापिका है।
2.होस्टल की सभी लड़कियाँ	फिल्म देखने जा रही हैं।
3. मजदूरों ने	पेड़ काट दिए हैं।

1.रचना या स्वरूप के आधार पर वाक्य के भेद-(3)

1. साधारण या सरल वाक्य-

जिस वाक्य में एक ही क्रिया रहती है, उसे साधारण या सरल वाक्य कहते हैं। इसमें एक उद्देश्य और एक विधेय रहता है,
जैसे-
(1)मोहन खाना खाता हैं
(2)मोहन और सोहन खाना खातें हैं
(3)मोहन पढ़ाई-लिखाई कर रहा हैं
(4)सोहन ,रोहन, मोहन पढ़ाई लिखाई कर रहें हैं

(1)उद्देश्य (कर्ता)- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए वही उस वाक्य का 'उद्देश्य' होता है।
(2)विधेय (क्रिया)- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए वह 'विधेय'होता है।

3.संयुक्त वाक्य-
जिस वाक्य में साधारण अथवा मिश्र वाक्यों का मेल योजक ('और', 'अथवा' 'लेकिन' किन्तु, परन्तु,अथवा, या, एवं, बल्कि, आदि) अव्यय द्वारा होता है, उसे 'संयुक्त वाक्य' कहते हैं,
या
जिस वाक्य में एक से अधिक साधारण वाक्य या उपवाक्य हों और सभी उपवाक्य /साधारण वाक्य अपने आप में स्वतंत्र हों
जैसे-
सोहन खेल रहा हैं और मोहन खाना खा रहा हैं।
उसकी आँखें हँसती हैं, किंतु उसका हृदय रोता है।
मैं आया और वह गया।

(1)उद्देश्य (कर्ता)- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए वही उस वाक्य का 'उद्देश्य' होता है।
(2)विधेय (क्रिया)- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए वह 'विधेय'होता है।

2.मिश्र वाक्य-
जिस वाक्य में एक से अधिक साधारण या सरल वाक्य हों और उनमें एक मुख्य वाक्य हो और शेष उसके आश्रित हों, उसे 'मिश्र वाक्य कहते हैं,
योजक चिन्ह- जो,जिसे,कि,क्योंकि,जैसे,ज्यों,ज्यों-ज्यों,जिसका जितना,

जैसे-
मैं यह जानता हूँ कि यह काम आपसे नहीं होगा।
मैं जनता हूँ कि तुम झूठ बोल रहें हो।

(1)उद्देश्य (कर्ता)- वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए वही उस वाक्य का 'उद्देश्य' होता है।
(2)विधेय (क्रिया)- उद्देश्य के विषय में जो कुछ कहा जाए वह 'विधेय'होता है

2.अर्थ की दृष्टि से वाक्य के आठ भेद हैं- 8

1. विधिवाचक वाक्य
2. निषेधवाचक वाक्य
3. आज्ञावाचक वाक्य
4. प्रश्नवाचक वाक्य
5. विस्मयादिबोध वाक्य
6. संदेहवाचक वाक्य
7. इच्छावाचक वाक्य
8. संकेतवाचक वाक्य

1.विधिवाचक वाक्य-

जिससे किसी बात के हाने का बोध हो, जैसे-

सरल वाक्य-हम खा चुके।

मिश्र वाक्य-मैं खाना खा चुका, तब वह आया।

संयुक्त वाक्य- मैंने खाना खाया और मेरी भूख मिट गयी।

2.निषेधवाचक वाक्य-

जिससे किसी बात के न होने का बोध हो, जैसे

सरल वाक्य-हमने खाना नहीं खाया।

मिश्र वाक्य-मैंने खाना नहीं खाया, इसलिए मैंने फल नहीं खाया।

संयुक्त वाक्य- मैंने भोजन नहीं किया और इसलिए मेरी भूख नहीं मिटी ।

3.आज्ञावाचक वाक्य-
जिससे किसी तरह की आज्ञा का बोध हो । जैसे-तुम खाओ। तुम पढ़ो।

4.प्रश्नवाचक वाक्य -
जिससे किसी प्रकार के प्रश्न किए जाने का बोध हो । जैसे- क्या तुम खा रहे हो? तुम्हारा नाम क्या है?

5.विस्मयवाचक वाक्य-
जिससे आश्चर्य, दुख या सुख का बोध हो। जैसे-ओह् ! मेरा सिर फटा जा रहा है।

6.संदेहवाचक वाक्य

जिससे किसी बात का संदेह प्रकट हो । जैसे-उसने खा लिया होगा। मैन्ने कहा होगा।

7.इच्छावाचक वाक्य

जिससे किसी प्रकार की इच्छा या शुभकामना का बोध हो। जैसे-तुम अपने कार्य में सफल रहो।

8.संकेतवाचक वाक्य

जहाँ एक वाक्य दूसरे की संभावना पर निर्भर हो। जैसे-पानी न बरसता तो धान सूख जाता। यदि तुम खाओ तो मैं भी खाऊँ।

3.क्रिया के आधार पर वाक्य –(3)

1.कतृवाच्य–क्रिया के उस रूपान्तरण को कतृवाच्य कहते हैं जिससे वाक्य में कर्ता की प्रधानता का बोध हो, जैसे—
• राम ने पानी पिया। • मैंने पुस्तक पढ़ी। • सीता जाती है।

2.कर्मवाच्य – क्रिया के उस रूपान्तरण को कर्मवाच्य कहते हैं, जिससे वाक्य में कर्म की प्रधानता का बोध हो, जैसे
• पुस्तक पढ़ी जाती है। • भाषण दिया जाता है। • लेख लिखा गया।

3.भाववाच्य–क्रिया का वह रूपान्तर भाववाच्य कहलाता है जिससे वाक्य में 'भाव' (या क्रिया) की प्रधानता का बोध होता है, जैसे –
(i) मुझसे चला नहीं जाता। (ii) उससे चुप नहीं रहा जाता।
iii) सीता से दूध नहीं पिया जाता।

Mahendra's

वर्ण-(1)स्वर - हस्व स्वर/लघु स्वर/एकमात्रिक स्वर (4) - अ इ उ ऋ दीर्घ स्वर/गुरु स्वर/द्विमात्रिक स्वर (7) आ ई ऊ ए ऐ ओ औ अयोगवाह - (2) अं, अः -- अं (अनुस्वार) , अः (विसर्ग)

(2) व्यंजन

क वर्ग - क ख ग घ ङ (कंठ्य) (अ आ अः ह)

च वर्ग - च छ ज झ ञ (तालव्य) (इ ई य श)

ट वर्ग - ट ठ ड ढ ण (मूर्धन्य) (ऋ र ष)

त वर्ग - त थ द ध न (दन्त्य) (ल स)

प वर्ग - प फ ब भ म (ओष्ठ्य) (5 X 5= 25) (उ ऊ)

नासिक्य - ङ ञ ण न म)

कंठ और तालु – ए ऐ

कंठ और ओष्ठ - ओ औ

दन्त और ओष्ठ - व

अंतःस्थ व्यंजन - य, र, ल, व (4 वर्ण)

ऊष्म व्यंजन - श, ष, स, ह (4 वर्ण)

संयुक्त व्यंजन - क्ष, त्र, ज्ञ, श्र (4 वर्ण) (वर्णमाला में व्यंजन का स्थान प्राप्त नहीं हैं)

उत्क्षिपत व्यंजन -ड़ ढ़ (2 वर्ण) (वर्णमाला में व्यंजन का स्थान प्राप्त नहीं हैं)

शब्द इन्हें चार भागों में विभाजित किया गया है-

1. उत्पत्ति / उद्‌ग्म के आधार पर 2. रचना /बनावट के आधार पर
3. अर्थ के आधार पर 4. व्याकरण या प्रयोग के आधार पर

2. रचना /बनावट के आधार पर-

रचना के आधार पर ये तीन प्रकार के है
(i) रूढ़ शब्द (ii) यौगिक शब्द (iii) यौगारूद शब्द

3.अर्थ के आधार पर-

(i)समानार्थी (ii) विपरीतार्थी (iii) एकार्थी (iv) अनेकार्थी

4.व्याकरण या प्रयोग के आधार पर

शब्द के आठ भेद हैं, इन आठ प्रकार के शब्दों को विकार की दृष्टि से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1.विकारी शब्द

(i) संज्ञा (ii)सर्वनाम (iii)विशेषण (iv) क्रिया

2. अविकारी शब्द

(v)समुच्चयबोधक (vi)क्रिया विशेषण (vii)सम्बन्धबोधक
(viii)विस्मयादिबोधक

1.जिन वाक्यों में सामान्य रूप से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उसे क्या कहते हैं?

(a) निषेधार्थक वाक्य

(b) आज्ञार्थक वाक्य

(c) विधानार्थक वाक्य

(d) नकारात्मक वाक्य

2.'झूठ मत बोलो' यह किस प्रकार का वाक्य है?

(a) प्रश्नवाचक

(b) नकारात्मक

(c) निषेधवाचक

(d) विधिवाचक

3.निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य कौन-सा है?

(a)परिश्रमी छात्र परीक्षा में सफल होता है।

(b) बच्चे दौड़ रहे थे और अध्यापक पढ़ा रहे थे।

(c) स्कूल खुल गया और पढ़ाई भी शुरू हो गई।

(d) इनमें से कोई नहीं

4.मजदूर मेहनत करता है,किंतु उसके लाभ से वंचित रहता है
यह कैसा वाक्य है?

(a) सरल वाक्य

(b) मिश्र वाक्य

(c) संयुक्त वाक्य

(d) इनमें से कोई नहीं

5. हो सकता है राम का काम बन जाय। यह कैसा वाक्य है?

(a) निषेधवाचक

(b) प्रश्नवाचक

(c) संदेहवाचक

(d) आज्ञावाचक

6.आज बहुत पानी गिरा। यह कैसा वाक्य है?

(a)साधारण वाक्य

(b)मिश्र वाक्य

(c) संयुक्त वाक्य

(d) उपवाक्य

7.उससे अब अकेले नहीं रहा जाता है। यह कैसा वाक्य है?

(a) कर्तृवाक्य

(b) कर्मवाच्य

(c)भाववाच्य

(d) इनमें से कोई नहीं

8.'वहाँ जाओ'। यह कैसा वाक्य है?

(a) निषेधवाचक

(b)प्रश्नवाचक

(c)आज्ञावाचक

(d) अनुरोधवाचक

9.'तुम यह काम मत करो। यह कैसा वाक्य है?

(b) निषेधवाचक

(a) आज्ञावाचक

(c) प्रश्नवाचक

(d) विस्मयवाचक

10.'अरे! उसने तो कमाल कर दिया। यह कैसा वाक्य है?

(a)प्रश्नवाचक

(b) निषेधवाचक

(c)विस्मयवाचक

(d) इच्छावाचक

उत्तरमाला-

1.(c) विधानार्थक वाक्य
2.(b) नकारात्मक
3.(a)परिश्रमी छात्र परीक्षा में सफल होता है।
4.(c) मिश्र वाक्य
5.(c) संदेहवाचक
6.(a)साधारण वाक्य
7.(c)भाववाच्य
8.(c)आज्ञावाचक
9.(b) निषेधवाचक
10.(c)विस्मयवाचक

धन्यवाद....